

पद ३४०

(राग: पिलु – ताल: दीपचंदी)

मेरा गौस मोहियोद्दीन । दस्तगीर महबूब सुबहानी पीरान्पीर मानिक
के बाली वारस तुम माफ करो गुन्हा तकसीर ॥१॥